Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049 4176

# छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्टार्ट–अप संस्कृति का छोटे व्यवसायों के विकास पर प्रभाव का अध्ययन

**डॉ. धीरज कुमार शर्मा**

अतिथि व्याख्याता वाणिज्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय, कुई–कुकदुर, जिला कबीरधाम (N-x-)

**सारांश**

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश में विकसित हो रही स्टार्ट–अप संस्कृति का छोटे व्यवसायों के विकास पर प्रभाव का विश्लेषण करना है। इस शोध में द्वितीयक तथा प्राथमिक दोनों प्रकार के आँकड़ों का उपयोग किया गया है। द्वितीयक आँकड़े छत्तीसगढ़ राज्य की आर्थिक, औद्योगिक एवं डिजिटल संरचना से संबंधित आधिकारिक रिपोर्टों से संकलित किए गए, जिनसे यह स्पष्ट होता है कि राज्य में औद्योगिक निवेश, ऊर्जा उत्पादन क्षमता तथा डिजिटल कनेक्टिविटी में निरंतर वृद्धि हुई है, जिससे छोटे व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। विशेष रूप से राज्य में ई–कॉमर्स और डिजिटल सेवाओं के विस्तार ने इसे एक उभरते हुए स्टार्ट–अप केंद्र के रूप में स्थापित किया है। प्राथमिक आँकड़ों के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश के 87 छोटे व्यवसायों का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण से प्राप्त परिणामों के अनुसार अधिकांश छोटे व्यवसायों ने डिजिटल तकनीकों, ऑनलाइन विपणन और आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों को अपनाया है। लगभग तीन–चौथाई उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि स्टार्ट–अप संस्कृति ने उनके व्यवसाय की आय, ग्राहक संख्या तथा बाजार विस्तार में सकारात्मक प्रभाव डाला है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि वित्तीय संसाधनों की कमी, तकनीकी ज्ञान का अभाव तथा बढ़ती प्रतिस्पर्धा छोटे व्यवसायों की प्रमुख चुनौतियाँ हैं। अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्टार्ट–अप संस्कृति छोटे व्यवसायों के विकास को गति प्रदान कर रही है तथा राज्य की आर्थिक संरचना को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उचित नीतिगत समर्थन, वित्तीय सहायता तथा तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से छोटे व्यवसायों की कार्यक्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और अधिक बढ़ाया जा सकता है। इस प्रकार, यह अध्ययन भविष्य में उद्यमिता विकास एवं आर्थिक नीति निर्माण के लिए उपयोगी दिशा प्रदान करता है।

**शब्दकुंजी–** स्टार्ट–अप संस्कृति, छोटे व्यवसाय, उद्यमिता विकास, डिजिटल विपणन, आर्थिक विकास, प्रबंधन रणनीतियाँ, नवाचार, छत्तीसगढ़ प्रदेश, MSME, ऑनलाइन व्यवसाय।

## 1. प्रस्तावना

वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिवेश में स्टार्ट–अप संस्कृति आर्थिक विकास का एक प्रमुख आधार बन गई है। भारत के विभिन्न राज्यों में स्टार्ट–अप पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem)

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049 4176

का तेजी से विस्तार हुआ है, जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश एक उभरते हुए केंद्र के रूप में सामने आया है। विशेष रूप से राजधानी रायपुर और नवा रायपुर क्षेत्र में स्टार्ट–अप गतिविधियों में वृद्धि ने छोटे व्यवसायों को नए अवसर प्रदान किए हैं।

छत्तीसगढ़ प्रदेश की आर्थिक संरचना खनिज, ऊर्जा, कृषि तथा औद्योगिक क्षेत्रों पर आधारित है, जो स्टार्ट–अप और छोटे व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करती है। राज्य में ई–कॉमर्स और डिजिटल सेवाओं के बढ़ते उपयोग ने इसे एक संभावित स्टार्ट–अप हब के रूप में विकसित किया है, जहाँ नए उद्यमों को बाजार में प्रारंभिक लाभ प्राप्त हो सकता है। इसके अतिरिक्त, राज्य की मजबूत औद्योगिक और ऊर्जा संरचना छोटे व्यवसायों के विकास के लिए आधार तैयार करती है। कोरबा जिले को भारत की ऊर्जा राजधानी कहा जाता है तथा राज्य में पर्याप्त बिजली उत्पादन क्षमता उपलब्ध है, जिससे औद्योगिक विकास और व्यवसाय संचालन में सहूलियत मिलती है। इस प्रकार, यह अध्ययन छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्टार्ट–अप संस्कृति के छोटे व्यवसायों पर प्रभाव का विश्लेषण करने के उद्देश्य से किया गया है।

## 2. अध्ययन का महत्व

इस अध्ययन का महत्व निम्नलिखित बिंदुओं में स्पष्ट है:

1. यह अध्ययन छोटे व्यवसायों के विकास में स्टार्ट–अप संस्कृति की भूमिका स्पष्ट करेगा।
2. यह राज्य की आर्थिक नीति एवं उद्यमिता विकास के लिए उपयोगी सुझाव प्रदान करेगा।
3. यह नए उद्यमियों को व्यवसाय प्रारंभ करने में मार्गदर्शन देगा।
4. यह क्षेत्रीय आर्थिक विकास के अध्ययन में सहायक सिद्ध होगा।
5. यह MSME और स्टार्ट–अप विकास के लिए नीति–निर्माताओं हेतु उपयोगी आधार प्रदान करेगा।

## 3. अध्ययन का उद्देश्य

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश में विकसित हो रही स्टार्ट–अप संस्कृति का छोटे व्यवसायों के विकास पर प्रभाव का विश्लेषण करना है।

## 4. शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन *"छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्टार्ट–अप संस्कृति का छोटे व्यवसायों के विकास पर प्रभाव का अध्ययन"* वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है। इस शोध में समस्या के व्यवस्थित विश्लेषण हेतु प्राथमिक तथा द्वितीयक दोनों प्रकार के आँकड़ों का उपयोग किया गया है। अध्ययन का क्षेत्र छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रमुख शहरी एवं अर्ध–शहरी क्षेत्रों, जैसे रायपुर, दुर्ग, भिलाई तथा बिलासपुर को माना गया है, जहाँ स्टार्ट–अप गतिविधियों

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049 4176

एवं छोटे व्यवसायों का विकास अपेक्षाकृत अधिक देखा गया है। प्राथमिक आँकड़ों के संकलन हेतु छोटे व्यवसायों के स्वामियों एवं प्रबंधकों से प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित कर प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई। इस अध्ययन के अंतर्गत कुल 87 छोटे व्यवसायों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया। न्यादर्श चयन के लिए उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श पद्धति का उपयोग किया गया, ताकि ऐसे व्यवसायों को सम्मिलित किया जा सके जो स्टार्ट–अप गतिविधियों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हों। प्रश्नावली में व्यवसाय के प्रकार, डिजिटल तकनीक का उपयोग, ऑनलाइन विपणन, आय में वृद्धि, सरकारी योजनाओं से लाभ तथा व्यवसाय में आने वाली प्रमुख समस्याओं से संबंधित प्रश्न सम्मिलित किए गए।द्वितीयक आँकड़ों का संकलन विभिन्न आधिकारिक रिपोर्टों, सरकारी प्रकाशनों तथा आर्थिक सर्वेक्षणों से किया गया। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ राज्य की आर्थिक संरचना, औद्योगिक विकास, डिजिटल अवसंरचना एवं स्टार्ट–अप नीतियों से संबंधित आँकड़े आधिकारिक रिपोर्टों से संकलित किए गए, जिनसे राज्य में औद्योगिक निवेश, ऊर्जा उत्पादन क्षमता तथा डिजिटल कनेक्टिविटी की स्थिति का विश्लेषण किया गया। इन आँकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि राज्य में औद्योगिक और डिजिटल संरचना के विकास ने छोटे व्यवसायों के विस्तार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है।

संकलित आँकड़ों का विश्लेषण सांख्यिकीय विधियों के माध्यम से किया गया, जिसमें प्रतिशत विधि का उपयोग प्रमुख रूप से किया गया। प्राप्त आँकड़ों को तालिकाओं के माध्यम से व्यवस्थित कर उनका तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार, उपर्युक्त शोध प्रविधि के माध्यम से स्टार्ट–अप संस्कृति के छोटे व्यवसायों के विकास पर प्रभाव का समग्र एवं व्यवस्थित अध्ययन किया गया।

## 5. अध्ययन क्षेत्र की प्रोफ़ाइल

छत्तीसगढ़ भारत के मध्य भाग में स्थित एक महत्वपूर्ण राज्य है, जिसकी राजधानी रायपुर है। राज्य का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 1,35,194 वर्ग किलोमीटर है तथा साक्षरता दर 74.53% है। राज्य की कुल जनसंख्या लगभग 31.5 मिलियन है। राज्य की आर्थिक संरचना मुख्यतः निम्न क्षेत्रों पर आधारित है:

- कृषि
- खनिज उद्योग
- ऊर्जा उत्पादन
- औद्योगिक क्षेत्र

राज्य में कृषि का योगदान महत्वपूर्ण है, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) में 20% से अधिक योगदान देता है।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049 4176

## 6. द्वितीयक आँकड़ों का विश्लेषण

**तालिका 1:** छत्तीसगढ़ का आर्थिक विकास (GSDP)

| वर्ष | GSDP (₹ ट्रिलियन) |
|---|---|
| 2015–16 | 2.25 |
| 2018–19 | 3.18 |
| 2021–22 | 4.00 |
| 2023–24 | 5.09 |
| 2025–26 | 6.35 |

स्रोतः अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय, छत्तीसगढ़

तालिका से स्पष्ट है कि राज्य का GSDP निरंतर वृद्धि दर्शाता है, जिससे छोटे व्यवसायों और स्टार्ट–अप के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है।

**तालिका 2:** छत्तीसगढ़ में इंटरनेट एवं डिजिटल कनेक्टिविटी

| सूचक | मान |
|---|---|
| वायरलेस उपभोक्ता | 22 मिलियन |
| वायरलाइन उपभोक्ता | 0.33 मिलियन |
| टेली–डेंसिटी | 72.09% |

स्रोतः अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय, छत्तीसगढ़

डिजिटल कनेक्टिविटी में वृद्धि ने ई–कॉमर्स एवं स्टार्ट–अप गतिविधियों को बढ़ावा दिया है।

**तालिका 3**: ऊर्जा उत्पादन क्षमता

| वर्ष | स्थापित क्षमता (MW) |
|---|---|
| FY23 | 13,802 |
| FY24 | 14,161 |
| FY25 | 14,284 |
| FY26 | 15,036 |

स्रोतः अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय, छत्तीसगढ़

ऊर्जा की उपलब्धता छोटे उद्योगों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

## 7. स्टार्ट–अप नीति एवं प्रोत्साहन

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा Startup Package 2024–30 के अंतर्गत कई प्रोत्साहन प्रदान किए जा रहे हैं, जैसेः

- किराया सब्सिडी

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049 4176

- स्टाम्प शुल्क छूट
- बीज पूंजी
- ऋण जोखिम सहायता

ये योजनाएँ छोटे व्यवसायों के विकास को गति प्रदान करती हैं।

**8. प्राथमिक सर्वेक्षण का विश्लेषण**

प्रतिदर्श आकारः 87 छोटे व्यवसाय

सर्वेक्षण छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरी एवं अर्ध–शहरी क्षेत्रों (रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर) के छोटे व्यवसायों पर आधारित माना गया है।

**तालिका 4:** प्राथमिक सर्वेक्षण का विश्लेषण

| व्यवसाय का प्रकार | संख्या | प्रतिशत (%) |
|---|---|---|
| खुदरा व्यापार | 28 | 32.18 |
| सेवा क्षेत्र | 24 | 27.59 |
| विनिर्माण | 18 | 20.69 |
| ई–कॉमर्स आधारित | 10 | 11.49 |
| अन्य | 7 | 8.05 |
| कुल | 87 | 100 |
| व्यवसाय अवधि | संख्या | प्रतिशत (%) |
| 0–3 वर्ष | 21 | 24.14 |
| 3–5 वर्ष | 26 | 29.89 |
| 5–10 वर्ष | 24 | 27.59 |
| 10 वर्ष से अधिक | 16 | 18.39 |
| कुल | 87 | 100 |
| डिजिटल तकनीक का उपयोग | संख्या | प्रतिशत (%) |
| हाँ | 63 | 72.41 |
| नहीं | 24 | 27.59 |
| कुल | 87 | 100 |
| स्टार्ट–अप संस्कृति का व्यवसाय वृद्धि पर प्रभाव | संख्या | प्रतिशत (%) |
| अत्यधिक | 29 | 33.33 |
| मध्यम | 36 | 41.38 |
| कम | 14 | 16.09 |
| कोई प्रभाव नहीं | 8 | 9.20 |

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049 4176

| | | |
|---|---|---|
| कुल | 87 | 100 |
| ऑनलाइन विपणन का उपयोग | संख्या | प्रतिशत (%) |
| उपयोग करते हैं | 58 | 66.67 |
| उपयोग नहीं करते | 29 | 33.33 |
| कुल | 87 | 100 |
| स्टार्ट–अप से प्राप्त प्रमुख लाभ | संख्या | प्रतिशत (%) |
| बाजार विस्तार | 31 | 35.63 |
| तकनीकी सुधार | 24 | 27.59 |
| ग्राहक वृद्धि | 19 | 21.84 |
| लागत नियंत्रण | 13 | 14.94 |
| कुल | 87 | 100 |
| व्यवसाय में प्रमुख समस्याएँ | संख्या | प्रतिशत (%) |
| वित्तीय कमी | 26 | 29.89 |
| तकनीकी ज्ञान की कमी | 22 | 25.29 |
| बाजार प्रतिस्पर्धा | 21 | 24.14 |
| प्रशिक्षित श्रम की कमी | 18 | 20.69 |
| कुल | 87 | 100 |
| स्टार्ट–अप नीति से लाभ प्राप्ति | संख्या | प्रतिशत (%) |
| लाभ मिला | 49 | 56.32 |
| लाभ नहीं मिला | 38 | 43.68 |
| कुल | 87 | 100 |
| व्यवसाय में आय वृद्धि (पिछले 3 वर्षों में) | संख्या | प्रतिशत (%) |
| 0–10% | 19 | 21.84 |
| 10–20% | 33 | 37.93 |
| 20–30% | 22 | 25.29 |
| 30% से अधिक | 13 | 14.94 |
| कुल | 87 | 100 |

स्रोतः प्राथमिक सर्वेक्षण का विश्लेषण

अधिकांश छोटे व्यवसाय खुदरा एवं सेवा क्षेत्र से जुड़े पाए गए, जो दर्शाता है कि स्टार्ट–अप संस्कृति का प्रभाव मुख्यतः सेवा एवं डिजिटल क्षेत्रों में अधिक है। 3–5 वर्ष पुराने व्यवसायों की संख्या अधिक पाई गई, जिससे स्पश्ट होता है कि हाल के वर्षों में स्टार्ट–अप

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049 4176

गतिविधियों में वृद्धि हुई है। अधिकांश व्यवसाय डिजिटल तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, जो स्टार्ट–अप संस्कृति के प्रभाव को दर्शाता है। लगभग 75% व्यवसायों ने माना कि स्टार्ट–अप संस्कृति का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ऑनलाइन विपणन का उपयोग बढ़ता हुआ पाया गया, जो स्टार्ट–अप संस्कृति का एक प्रमुख परिणाम है। सबसे अधिक लाभ बाजार विस्तार के रूप में देखा गया। वित्तीय संसाधनों की कमी सबसे बड़ी समस्या के रूप में सामने आई। अधिकांश व्यवसायों ने सरकारी योजनाओं से लाभ प्राप्त किया। सबसे अधिक व्यवसायों में 10–20% आय वृद्धि दर्ज की गई।

## 9. चर्चा

प्रस्तुत अध्ययन में छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्टार्ट–अप संस्कृति के छोटे व्यवसायों पर प्रभाव का विश्लेषण द्वितीयक एवं प्राथमिक दोनों प्रकार के आँकड़ों के आधार पर किया गया। द्वितीयक आँकड़ों से स्पष्ट हुआ कि राज्य में औद्योगिक, डिजिटल और ऊर्जा अवसंरचना में निरंतर वृद्धि हुई है, जिससे छोटे व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख संकेतक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) है, जो वर्ष 2015–16 से 2025–26 तक निरंतर वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि राज्य में औद्योगिक गतिविधियों एवं नए व्यवसायों की स्थापना को प्रोत्साहित करती है। राज्य में डिजिटल कनेक्टिविटी और इंटरनेट उपयोग में वृद्धि ने ई–कॉमर्स तथा डिजिटल आधारित व्यवसायों को बढ़ावा दिया है।

प्राथमिक सर्वेक्षण से प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि अधिकांश छोटे व्यवसायों ने डिजिटल तकनीक और ऑनलाइन विपणन को अपनाया है। लगभग तीन–चौथाई व्यवसायों ने माना कि स्टार्ट–अप संस्कृति ने उनके व्यवसाय में सकारात्मक प्रभाव डाला है। इससे यह संकेत मिलता है कि स्टार्ट–अप आधारित नवाचार छोटे व्यवसायों के विस्तार और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार द्वारा स्टार्ट–अप प्रोत्साहन योजनाएँ जैसे किराया सब्सिडी, बीज पूंजी और कर छूट जैसी सुविधाएँ छोटे व्यवसायों के विकास में सहायक सिद्ध हो रही हैं। इन योजनाओं ने नए उद्यमियों को व्यवसाय प्रारंभ करने में सहायता प्रदान की है। हालाँकि, कुछ चुनौतियाँ भी सामने आईं, जैसे वित्तीय संसाधनों की कमी, तकनीकी ज्ञान की कमी और बाजार प्रतिस्पर्धा। ये चुनौतियाँ छोटे व्यवसायों के विकास में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं यदि इनके समाधान के लिए प्रभावी नीतियाँ नहीं बनाई जाएँ।

## 10. प्रमुख निष्कर्ष

अध्ययन से प्राप्त प्रमुख निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:

1. छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्टार्ट–अप संस्कृति का तेजी से विकास हो रहा है, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में।
2. छोटे व्यवसायों में डिजिटल तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049 4176

3. अधिकांश छोटे व्यवसायों ने स्टार्ट–अप संस्कृति को व्यवसाय वृद्धि के लिए लाभकारी माना।
4. ऑनलाइन विपणन और डिजिटल भुगतान प्रणाली ने छोटे व्यवसायों की आय में वृद्धि की है।
5. सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहनों ने छोटे व्यवसायों की स्थापना में सहायता प्रदान की।
6. वित्तीय संसाधनों की कमी छोटे व्यवसायों की प्रमुख समस्या पाई गई।
7. तकनीकी ज्ञान और प्रशिक्षित श्रम की कमी भी व्यवसायों के विकास में बाधा उत्पन्न करती है।
8. छोटे व्यवसायों में आय वृद्धि का स्तर पिछले तीन वर्षों में सकारात्मक पाया गया।
9. बाजार विस्तार और ग्राहक वृद्धि स्टार्ट–अप संस्कृति के प्रमुख लाभ रहे।
10. स्टार्ट–अप संस्कृति ने छोटे व्यवसायों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि की है।

## 11. सुझाव

अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत किए हैं:

1. राज्य सरकार को छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं का विस्तार करना चाहिए।
2. तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि व्यवसाय डिजिटल तकनीकों का अधिक उपयोग कर सकें।
3. स्टार्ट–अप इनक्यूबेशन सेंटर की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।
4. ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल अवसंरचना को मजबूत किया जाना चाहिए।
5. छोटे व्यवसायों के लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
6. बाजार प्रतिस्पर्धा से निपटने के लिए विपणन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
7. महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएँ लागू की जानी चाहिए।
8. व्यवसायों को नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
9. ई–कॉमर्स प्लेटफार्मों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
10. छोटे व्यवसायों के लिए कर–संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाना चाहिए।

## 12. उपसंहार

प्रस्तुत अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्टार्ट–अप संस्कृति छोटे व्यवसायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्य की मजबूत औद्योगिक, ऊर्जा और डिजिटल संरचना ने नए व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। द्वितीयक आँकड़ों से यह सिद्ध हुआ कि राज्य की आर्थिक वृद्धि, औद्योगिक निवेश और

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049 4176

डिजिटल अवसंरचना में वृद्धि ने छोटे व्यवसायों के लिए नए अवसर उत्पन्न किए हैं। वहीं, प्राथमिक सर्वेक्षण के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि स्टार्ट–अप संस्कृति ने छोटे व्यवसायों की आय, ग्राहक संख्या और बाजार विस्तार में सकारात्मक प्रभाव डाला है। हालाँकि, वित्तीय और तकनीकी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं, जिन्हें उचित नीतियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दूर किया जा सकता है। यदि राज्य सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करें, तो छोटे व्यवसाय राज्य की आर्थिक प्रगति में और अधिक योगदान दे सकते हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्टार्ट–अप संस्कृति छोटे व्यवसायों के विकास का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है और भविष्य में यह राज्य की आर्थिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी।

## संदर्भ सूची

1. India Brand Equity Foundation (2025). Chhattisgarh State Report, October 2025.
2. Directorate of Economics and Statistics, Government of Chhattisgarh.
3. Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) Reports.
4. Ministry of MSME, Government of India Reports.
5. Economic Survey of Chhattisgarh, Government of Chhattisgarh.